MGP

गाँधी और शांति अध्ययन
में
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य
वर्ष 2017–2018 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि
(एमएजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्यके पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि (एमएजीपीएस); गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस) और गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी आरै शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा है और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूवर्क पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2017 सत्र के लिए	31 मार्च 2018	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2018 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2018	

शुभकामनाओं के साथ,

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगी :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें :

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर :

   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका काल (एम.जी.पी.–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. राष्ट्रवाद व अंतर्राष्ट्रीयवाद पर गाँधी के विचारों की व्याख्या कीजिए। दोनों में वे कैसे सामंजस्य स्थापित करते हैं?
2. गाँधी के आरंभिक जीवन के उन क्षणों और घटनाओं का परीक्षण कीजिए, जिन्होंने उनके चरित्र का निर्माण किया।
3. निम्नलिखित विषयों की मूल विशेषताएं एवं महत्त्व का उल्लेख कीजिए :
   (क) गाँधी पर जॉन रस्किन का प्रभाव
   (ख) गाँधी पर हेनरी डेविड थोरियू का प्रभाव
4. भारतीय श्रम के अधिकारों तथा नस्लवादी भेदभाव के विरुद्ध गांधी के लड़ाई की चर्चा कीजिए।
5. अहमदाबाद की कपड़ा मिलों तथा खेड़ा सत्याग्रह के संघर्षों का परीक्षण कीजिए और इनका क्या महत्व था?

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) खिलाफत आंदोलन
   (ख) सविनय अवज्ञा आंदोलन
7. (क) गाँधी–इर्विन समझौता
   (ख) पूना पैक्ट
8. (क) गाँधी का अहिंसात्मक सामाजिक व्यवस्था का दृष्टिकोण
   (ख) भारत छोड़ो आंदोलन
9. (क) गोपाल कृष्ण गोखले की विचारधारा और योगदान
   (ख) स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों की भूमिका
10. (क) विनायक दामोदर सावरकर
    (ख) रबीन्द्र नाथ टैगोर

पाठ्यक्रमः गाँधी दर्शन (एम.जी.पी.–002)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–002
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–002/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. ईसाई धर्म के मूल सिद्धान्त की चर्चा कीजिए और उन्होंने गाँधी को किस प्रकार प्रभावित किया?
2. पाश्चात्य विचारकों के गाँधी के दर्शन पर प्रभावों की समीक्षा कीजिए।
3. समाज में सद्भावना की स्थापना में तुलसीदास के प्रयासों की व्याख्या कीजिए।
4. सत्य के प्रति गाँधी के दृष्टिकोण की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए।
5. मानव प्रकृति की अवधारणा में गाँधीवादी दृष्टिकोण का परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) अहिंसा पर गाँधी के विचार
   (ख) हिन्दू धर्म पर गाँधी के विचार
7. (क) सभ्यता पर गाँधी के विचार
   (ख) गाँधी के सुधारवादी कार्यक्रम
8. (क) भारतीय सभ्यता की गाँधीवादी समालोचना
   (ख) सर्वोदय
9. (क) गाँधी की कर्त्तव्य की अवधारणा
   (ख) गाँधी की स्वराज की संकल्पना
10. (क) आधुनिक सभ्यता के विरुद्ध खादी
    (ख) गाँधी जी का आर्थिक दर्शन

पाठ्यक्रमः गाँधी के सामाजिक विचार (एम.जी.पी.–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–003
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. भारत में सामाजिक परिर्वतन पर गाँधी के विचारों की समीक्षा कीजिए।
2. भारत में प्रचलित वर्णाश्रम धर्म का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
3. हिन्दू–मुस्लिम एकता हासिल करने में गाँधी के प्रयासों की समीक्षा कीजिए।
4. स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय महिलाओं की भूमिका और योगदान का विवरण दीजिए।
5. गाँधी के दलित वर्ग पर विचारों का आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) गाँधी और भारत का विभाजन
   (ख) भारतीय सामाजिक व्यवस्था की गाँधीवादी समालोचना
7. (क) श्रम पर गाँधी के विचार
   (ख) बच्चों के शिक्षा पर गाँधी के विचार
8. (क) आधुनिकता पर गाँधी की आलोचना
   (ख) गाँधी के सत्य की अवधारणा
9. (क) बौद्धधर्म, ईसाई धर्म और गाँधीवाद
   (ख) शाकाहार पर गाँधी के विचार
10. (क) पर्यावरणवाद का आध्यात्मिक आधार
    (ख) भाषा पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–004
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. गाँधी के सामाजिक विकास और परिवर्तन की धारणाएँ उनके रचनात्मक कार्यक्रमों में निहित हैं, चर्चा कीजिए।
2. गाँधी के औद्योगिकीकरण की आलोचना की समीक्षा कीजिऐ।
3. गाँधी के राज्य और स्वराज के बारे में विचारों का वर्णन कीजिए।
4. गाँधी के व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणा की विवेचना कीजिए।
5. साध्य और साधनों के महत्व पर गाँधी के विचारों की समीक्षा कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) आर्थिक, नस्लीय और जाति पर गाँधी की अवधारणा।
   (ख) अराजकतावादी समाज में प्राधिकार की भूमिका
7. (क) उपनिवेशवाद के विरुद्ध गाँधी का अहिंसक संघर्ष
   (ख) उदारवाद और संविधानवाद पर गाँधी के विचार
8. (क) उग्र–राष्ट्रवाद की अवधारणा
   (ख) समाजवाद और साम्यवाद के अर्थ
9. (क) संरचनात्मक हिंसा पर गाँधी के विचार
   (ख) संघर्ष समाधान के साधन के रूप में सत्याग्रह
10. (क) गाँधी के शांतिवाद का अर्थ और अवधारणा
    (ख) 'विश्व व्यवस्था' पर गाँधी की अवधारणा।

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम.जी.पी.–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–005
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. शांति के विभिन्न अवधारणाओं की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
2. हाल के अनुभववादी अध्ययनों के प्रकाश में शांति और लोकतंत्र के बीच के संबंध की व्याख्या कीजिए।
3. 'शांति की संस्कृति' का क्या अर्थ है? शांति कायम रखने के लिए संस्थागत उपायों का उल्लेख कीजिए।
4. शांति की अवधारणा से आप क्या समझते हैं? शांति के निर्माण और उसे कायम करने के साधन की विवेचना कीजिए।
5. समकालीन संघर्षों के वैश्विक श्रोतों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) भारत में सकारात्मक कार्रवाई की नीति।
   (ख) समानता और असमानता पर उदारवादी और मार्क्सवादी विचार।
7. (क) संघर्ष के विशिष्ठ स्रोत
   (ख) संघर्ष और उनके समाधान पर पश्चिमी और पूर्वी परिप्रेक्ष्य
8. (क) संघर्ष समाधान की पद्धति के रूप में बल प्रयोग
   (ख) मानव विकास और गरीबी उन्मूलन
9. (क) संघर्ष समाधान में लोक अदालत का महत्त्व
   (ख) गाँधी और समकालीन विश्व में 'शांति शिक्षा'।
10. (क) धार्मिक सद्भाव और शांति
    (ख) विभिन्न राष्ट्रों में शांति आंदोलन

पाठ्यक्रमः गाँधी आर्थिक विचार (एम.जी.पी.ई.–006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–006
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–006/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. परंपरागत अर्थशास्त्र के विचारों की मुख्य विशेषताएँ और पहलुओं (Strands) की चर्चा कीजिए।
2. आधुनिक अर्थशास्त्र के विरुद्ध गाँधी द्वारा की गई आलोचना के आधारभूत बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए।
3. दक्षिण अफ्रीका में उपनिवेशवाद की गाँधी के अनुभव का वर्णन कीजिए।
4. 'रोटी के लिए श्रम' का सिद्धान्त (The Doctrine of Bread Labour) की विवेचना कीजिए।
5. गाँधी के द्वारा प्रतिपादित 'न्यासिता का सिद्धान्त' का विवरण दीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) वे मौलिक भारतीय श्रोत जिन्होंने अर्थशास्त्र पर गाँधी के विचारों को प्रभावित किया।
   (ख) भारत में साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद
7. (क) समकालीन विश्व में गाँधीवादी स्वदेशी अवधारणा
   (ख) गाँधी द्वारा प्रतिपादित इच्छाओं को सीमित करने का सिद्धांत।
8. (क) औद्योगिकीकरण पर गाँधीवादी दृष्टिकोण
   (ख) आर्थिक व्यवस्था में हिंसा के श्रोत।
9. (क) गाँधी के ग्राम विकास की अवधारणा
   (ख) जे.के. मेहताके आर्थिक विचार
10. (क) भारत में विकेंद्रीकृत अर्थव्यवस्था की प्रकृति
    (ख) भारत में ग्रामीण श्रणग्रस्तता (Indebtedness) और क्रेडिट मार्केट (Credit Market)

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. भारत में सामाजिक क्रांति की उपलब्धियों और कमियों की व्याख्या कीजिए।
2. भारत में शांति आंदोलन में नेतृत्व की भूमिका का संक्षिप्त में समीक्षा कीजिए।
3. आचार्य विनोबा भावे द्वारा प्रतिपादित विचारधारा और उसके आधारिक तत्व की विवेचना कीजिए।
4. वर्तमान मानव जाति को प्रभावित करने वाले विभिन्न पारिस्थितिकीय मुद्दों का उल्लेख कीजिए।
5. जय प्रकाश नारायण के 'संपूर्ण क्रांति' की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन
   (ख) गाँधी के अहिंसात्मक आंदोलन
7. (क) मद्यनिषेध पर गाँधी के विचार
   (ख) लोकतंत्र और सामाजिक क्रांति
8. (क) गाँधी और किसान आंदोलन
   (ख) भारत में पारिस्थितिकी महिलावाद (Eco-Feminism)
9. (क) भारत में राष्ट्रीय जल संरक्षण नीति, 2002
   (ख) इक्कीसवीं सदी में ग्रीनपीस आंदोलन
10. (क) दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद विरोध आंदोलन
    (ख) पोलैण्ड में सॉलिडेरिटी आंदोलन (Solidarity Movement)

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–008
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. एक समरस समाज के निर्माण में सहिष्णुता के महत्त्व की जांच कीजिए।
2. शांति के साधन के रूप में राज्य और नागरिक राज्य की भूमिका का उल्लेख कीजिए।
3. निम्नलिखित पर अपने शब्दों में टिपपणी कीजिए :
   (क) सामुदायिक शांति की गाँधीवादी दृष्टि
   (ख) शांति की महिलावादी दृष्टिकोण की प्रमुख विशेषताएँ
4. मानव में निहित संघर्ष के संबंध में प्रमुख सैद्धांतिक दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए।
5. संघर्ष समाधान के पश्चिमी दृष्टिकोण की प्रमुख विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) समझौते और मध्यस्थता के पश्चिमी दृष्टिकोण
   (ख) संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण
7. (क) चिपको आंदोलन
   (ख) उपवास संघर्ष समाधान का प्रभावशाली उपाय
8. (क) अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918)
   (ख) रोलट सत्याग्रह
9. (क) शांति सेना का विचार और संघर्ष समाधान में इसकी भूमिका
   (ख) नौआखाली के संबंध में गाँधी के निर्भयता का विचार
10. (क) उत्तरपूर्व भारत में शांति के प्रयास
    (ख) श्रीलंका में नीर्जातीय संघर्ष में भारत की भूमिका

पाठ्यक्रमः इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम.जी.पी.ई.–009)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–009
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. भूमण्डलीकरण की संकल्पना और अर्थ का वर्णन करें।
2. भारत में धार्मिक बहुलवाद और धर्मनिरपेक्ष के प्रकृति की व्याख्या कीजिए।
3. लोकतंत्र की परिभाषा दीजिए और विभिन्न प्रकार के लोकतंत्रों में अंतर स्पष्ट कीजिए।
4. वर्तमान समय में ग्राम स्वराज और इसकी प्रासंगिकता के बुनियादी सिद्धांतों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।
5. आधुनिक राज्य की विशिष्ट विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) विश्व व्यवस्था और गाँधी
   (ख) भारत और इसकी सांस्कृतिक विविधताएँ
7. (क) महिला सशक्तिकरण
   (ख) सामाजिक समावेश में गाँधीवादी दृष्टिकोण
8. (क) गाँधी का विज्ञान और प्रौद्योगिक पर राय/दृष्टिकोण
   (ख) गाँधी और मीडिया
9. (क) आतंकवाद का सामना करने के लिए गाँधी पद्धति
   (ख) मानव अधिकार के सांस्कृतिक और धार्मिक श्रोत
10. (क) विकसित पूँजीवादी राज्य पर बहस
    (ख) 'जीवन शैली और पर्यावरण

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबन्धन, परिवर्तन और शांति निर्माण (एम.जी.पी.ई.–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–010
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. संघर्ष उन्मूलन के समकालीन बहस/वाद–विवादों की समीक्षा कीजिए।
2. संघर्ष के स्रोतों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
3. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में विवरण दीजिएः–
   (क) संघर्ष विश्लेषण के मुख्य तत्व
   (ख) संयुक्त राष्ट्र और संघर्ष प्रबंधन
4. संघर्ष प्रबंध की विभिन्न विधियों और पद्धतियों की चर्चा कीजिए।
5. नागालैण्ड में हिंसा की समस्या का उल्लेख कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) संघर्ष परिवर्तन के अहिंसात्मक दृष्टिकोण
   (ख) संरचनात्मक हिंसा
7. (क) स्वराज पर गाँधी के विचार
   (ख) चम्पारण सत्याग्रह
8. (क) शांति निर्माण के प्रमुख विशेषताएँ
   (ख) दक्षिण अफ्रिका में गाँधी का सत्याग्रह
9. (क) शांति निर्माण का दृष्टिकोण
   (ख) संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्वास
10. (क) अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में भारत की भूमिका
    (ख) गाँधी द्वारा प्रतिपादित न्यासिता के विचार

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम.जी.पी.ई.–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–011
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. मानव सुरक्षा की अवधारणा का अर्थ और विकास समझाएँ। समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के लिए इसका क्या महत्त्व है।

2. डॉ. महबूब – उल–हक के मानव विकास और मनाव सुरक्षा की अवधारणाओं के लिए योगदान का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए :–

   (क) मानव सुरक्षा की गाँधीवादी दृष्टि

   (ख) लिंग, विकास और मानव सुरक्षा

4. ग्रामीण असंगठित श्रमिक वर्ग की विभिन्न विशेषताओं का परीक्षण कीजिए। इसकी स्थिति में सुधार के लिए कुछ उपायों की चर्चा कीजिए।

5. भारत में महिलाओं की सीमांतीकरण की व्याख्या कीजिए। उनकी स्थिति में सुधार के लिए उपाय समझाएँ।

भाग–II

6. (क) राज्येत्तर हिंसा की अवधारणा

   (ख) दक्षिण एशिया में राज्य–हिंसा

7. (क) वैश्विक तापन और विकास के बीच संबंध

   (ख) खाद्य सुरक्षा और वैश्विक चिंता

8. (क) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और सुरक्षा के उपागम

   (ख) नव विश्व व्यवस्था

9. (क) मानव सुरक्षा और विकास

   (ख) दक्षिण एशिया में मानव सुरक्षा

10. (क) मानव सुरक्षा और गरीबी उन्मूलन

    (ख) भारत में मानव सुरक्षा

पाठ्यक्रमः महिलाएँ और शांति (एम.जी.पी.ई.–012)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–012
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–012/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. समकालीन विश्व में महिलाओं के विरुद्ध चिंता के कारण हैं? आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
2. समकालीन महिलाओं के आंदोलन के लिए गाँधीवादी विचार की प्रासंगिकता का वर्णन कीजिए।
3. शांति निर्माण में महिलाओं के परिप्रेक्ष्य की प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए।
4. विभिन्न समाजों में संरचनागत हिंसा के विभिन्न पक्षों पर संक्षेप में वर्णन कीजिए।
5. भारत में साम्प्रदायिकता और लिंग संबंधों के विविध पक्षों की व्याख्या कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के विभिन्न रूप
   (ख) कार्यस्थल पर महिला यौन उत्पीड़न निषेध के लिए उठाये गये कदम
7. (क) विकास के गाँधीवादी विचार
   (ख) भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी
8. (क) संयुक्त राष्ट्र और महिला सशक्तिकरण
   (ख) केन्या में हरित क्षेत्र आंदोलन
9. (क) वैश्विक शांति के लिए महिला समूहों और संगठनों का योगदान
   (ख) भारत स्वतंत्रता संग्राम में महिलाएँ
10. (क) शांति को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा की गई शांति की पहल
    (ख) शांति को बढ़ावा देने के लिए गाँधीवादी विकल्प

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनीति शासन और संघर्ष (एम.जी.पी.ई.–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–013
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. हेगेल की नागरिक समाज की धारणा की व्याख्या कीजिए।
2. दक्षिण एशिया में नागरिक समाज की भूमिका और प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए।
3. भारत में शांति आंदोलन का विकास और प्रकार का वर्णन कीजिए।
4. पंचायती राज संस्थाओं के अध्ययन के लिए विभिन्न उपागमों का उल्लेख कीजिए।
5. नागरिक समाज की अवधारणा की प्रकृति और विस्तार क्षेत्र का संक्षेप में विवरण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) नागरिक समाज संगठनों की जवाबदेही
   (ख) संरचनात्मक कार्यक्रम की अवधारणा
7. (क) विकसित पूँजीवाद राज्य पर बहस
   (ख) बाज़ार, राज्य और नागरिक समाज के बीच बदलते संबंध
8. (क) महिलाओं का सशक्तिकरण और क्षमता निर्माण
   (ख) राज्य और नागरिक समाज के बीच संबंध
9. (क) स्वैच्छिक कार्यों को गतिशील बनाने में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका
   (ख) गाँधीवादी नागरिक समाज और भूमण्डलीकरण
10. (क) परमाणु विरोधी आंदोलन
    (ख) वैश्विक शांति में कार्यरत संगठन

पाठ्यक्रमः गाँधी : पारिस्थिकी और सतत् विकास (एम.जी.पी.ई.–014)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–014
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. आर्थिक वृद्धि, विकास और पारिस्थितिकी के बीच संबंध का वर्णन कीजिए।
2. विकास के विभिन्न उपागमों और पर्यावरण से इनके संबंध की चर्चा कीजिए।
3. विकास के गाँधीवादी दृष्टिकोण की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
4. दक्षिण अफ्रीका और भारत में गाँधी के आश्रमों के सामुदायिक जीवन के बारे में व्याख्या कीजिए।
5. गाँधीवादी विकास के आध्यात्मिक आधारों की चर्चा कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. धार्मिक स्रोत और पर्यावरणीय मान्यताएँ
   (ख) मानव जाति की गाँधीवादी संकल्पना
7. (क) मानव पारिस्थिकी पर गाँधी के विचार
   (ख) भारत में पर्यावरणीय आंदोलन पर गाँधीवादी दृष्टिकोण
8. (क) विकास के संस्थागत आयाम
   (ख) सर्वोदय का दर्शनिक आधार
9. (क) गाँधी द्वारा आश्रम जीवन की वकालत के महत्व
   (ख) भारत में पर्यावरणीय शिक्षा
10. (क) ग्रामीण आत्म संतुष्टि और आत्म–विश्वास
    (ख) शुष्क राजस्थान में जल संचयन

पाठ्यक्रमः अनुसंधान विधियों का परिचय (एम.जी.पी.ई.–015)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–015
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–015/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. अनुसंधान के मानकीय और अनुभवजन्य प्रतिमानों के बीच वाद–विवाद की समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।
2. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए गाँधीवादी दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।
3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में लिखिएः
   (क) मौलिक और अनुप्रयुक्त अनुसंधान में अंतर
   (ख) सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के आँकड़ों का श्रोत
4. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में आँकड़ा संकलन की पद्धति का वर्णन कीजिए।
5. पिरामिड प्रतिमान (Pyramid Model) के शांति निर्माण के दृष्टिकोणों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. अनुसंधान विषय के चयन की पद्धतियाँ
   (ख) सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की मूल मान्यताएँ
7. (क) आँकड़ा संकलन के विभिन्न प्रकार
   (ख) मानवजाति शास्त्र में तथ्यों के संकलन की विभिन्न प्रक्रियाएं
8. (क) संघर्ष मानचित्र के मूल्य तत्व
   (ख) वर्णनात्मक विश्लेषण
9. (क) अनुसंधान परिणामों को व्यवस्थित करना
   (ख) मात्रात्मक आँकड़ों के स्रोत
10. (क) आँकड़ों का वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरण
    (ख) अनुसंधान में खोज इंजनों और वेबसाइटों की उपयोगिता

पाठ्यक्रमः गाँधी : मानव अधिकार : भारतीय परिप्रेक्ष्य (एम.जी.पी.ई –016)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–016
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–016/ए एस एस टी/टी एम ए/2017–18
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. भारत में मानव अधिकारों के सैद्धांतिक आधारों का वर्णन कीजए।
2. मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के प्रावधान और महत्व की व्याख्या कीजिए।
3. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी लिखिए :
   (क) अल्पसंख्यकों और देशज़ लोगों के अधिकार
   (ख) मानव अधिकारों का उल्लंघन
4. भारत में बाल अधिकारों और नीतियों की चर्चा कजिए।
5. भारत में अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों के अधिकारों का वर्णन कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) भारत में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग
   (ख) राष्ट्रीय महिला आयोग
7. (क) पश्चिमी और गैर–पश्चिमी मानव–अधिकारों की संकलपना
   (ख) सतत् विकास
8. (क) दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह
   (ख) मानव अधिकारों पर गाँधी का दृष्टिकोण
9. (क) आर्थिक और शैक्षिक अधिकार
   (ख) समाज सुधार पर गाँधीवादी दृष्टिकोण
10. (क) मूल अधिकार और राज्य के नीति निदेशक तत्व
    (ख) उग्र महिलावाद